

(ग) इस पर कितना व्यय हुआ

अनु. अखिल विभाग में राज्य-संघी (बी एच० एल० मुखबल-स्वाधी) : (क) तथा (ख) जी, अब तक नहीं। इस केन्द्र की स्थापना का काम जारी है तथा यह अगस्त, 1967 में काम करना शुरू कर देगा।

(ग) इस केन्द्र की स्थापना संयुक्त राष्ट्र संघ विशेष निधि से प्राप्त वित्तीय तथा तकनीकी सहायता से की जा रही है। इस निधि से प्र.योजना के लिए छः लाख पच्चीस हजार डॉलर की सहायता मिल रही है। चौबीस वर्षीय योजना के अन्त तक प्रायोजना के निवृत्त कार्यों, अतिरिक्त उपकरणों आदि पर खर्च होने वाला सरकारी हिस्सा अनुमानतः सत्तानबे लाख पचास हजार रुपये होगा। गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजना के लिए मुफ्त दी गई भूमि की अनुमानित कीमत 22 लाख रुपये प्रांकी गई है और यह उपरोक्त खर्च में शामिल नहीं है।

Manufacture of Marine Diesel Engines

1473. Shri Vishwa Nath Pandey:
Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have approved the project for the manufacture of Marine Diesel Engines in India;

(b) if so, when; and

(c) the total amount of expenditure involved in the project?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Ehsani):

(a) Yes, Sir.

(b) 31st March, 1967.

(c) The estimated capital expenditure on the project is about Rs. 383 lakhs.

Anti-Indian Propaganda by China

1474. Shri Omkar Lal Berwa:
Shri Meetha Lal:
Shri Atam Das:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether China has stepped up anti-Indian propaganda and subversive activities in India; and

(b) if so, the steps which are being taken to counteract their activities?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) Yes, Sir.

(b) The Government are fully aware of the Chinese threats and all necessary steps are being taken to protect our national security.

इसराईल के साथ सांस्कृतिक व्यवसाय आचार करार

1475. श्री महाराज सिंह भारती :
क्या वित्त-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने अब तक इसराईल के साथ कोई सांस्कृतिक व्यवसाय आचार करार किया है ;

(ख) क्या इसराईल ने राजस्थान के मरुस्थल की हरीजरी भूमि में परिचालन करने के लिये एक पाइप-लाइन निर्यात योजना बनाने की योजना की है ;

(ग) यदि हाँ, तो सरकार ने उक्त प्रस्ताव किस कारणों से स्वीकार नहीं किया ; और

(घ) इस समय इसराईल में भारतीय हितों की रक्षा करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त-कार्य मंत्री (श्री सु० क० चव्वाला) : (क) की नहीं।